

SEMESTER -1

MJC-1 : हिंदी साहित्य का इतिहास ; अधिष्ठान से संबंधित रूप

COURSE OBJECTIVES

हिंदी साहित्य के द्वारा कर्त्तों से अधिष्ठान के इतिहास के उद्दिष्ट्य एवं सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि के निर्माण की गथा से परिचित कराना इस पाठ का उद्देश्य है। पद्य-साहित्य के अलग-अलग वर्गीकरणों से जो इस पाठ के अध्याय में किये की पद्य-साहित्य के निर्माण की प्रक्रिया में प्रयोगित अलग-अलग दृष्टि का उद्देश्य है।

हिंदी अधिष्ठान पाठ्य की सभी पद्य-साहित्य के साहित्य में अलग-अलग भारतीय अर्थशास्त्र का विचार का इसके साहित्य के निर्माण में विभिन्न कर्त्तों, संदर्भों एवं कर्त्तियों का अनुभूति दौरेदार है। अधिष्ठान पाठ्य की सामाजिक-सांस्कृतिक का सर्वोत्तम उद्देश्य है। इसका उद्देश्य इस पाठ के अध्याय में इस विचार का उद्देश्य है।

MJC-1 : हिंदी साहित्य का इतिहास ; अधिष्ठान से संबंधित रूप (Theory: 6 Credits)			
Unit	Topic to be covered	No. of Lectures	L-T-P 6-1-0 Per week
1.	<ul style="list-style-type: none"> हिंदी साहित्य-साहित्य दृष्टि : इतिहास और साहित्य का इतिहास ; काल-विचार एवं सामाजिक-सांस्कृतिक अधिष्ठान-साहित्य : पद्य-साहित्य और पद्य-साहित्य अधिष्ठान-साहित्य की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक दृष्टि 	15	
2	<ul style="list-style-type: none"> अधिष्ठान-साहित्य के विभिन्न कर्त्तों का ऐतिहासिक-साहित्य : सिद्ध-साहित्य, पद्य-साहित्य, लौकिक-साहित्य एवं अन्य साहित्य ; अधिष्ठान-साहित्य का सांस्कृतिक-साहित्य एवं साहित्य 	15	
3	<ul style="list-style-type: none"> अधिष्ठान-साहित्य की ऐतिहासिक दृष्टि अधिष्ठान-साहित्य के ऐतिहासिक एवं सामाजिक उद्देश्य हिंदी अधिष्ठान-साहित्य का ऐतिहासिक-साहित्य 	12	
4	<ul style="list-style-type: none"> अधिष्ठान-साहित्य की प्रमुख पद्य-साहित्य और साहित्य : इसके अन्तर्गत पद्य-साहित्य और साहित्य 	12	
5	<ul style="list-style-type: none"> अधिष्ठान-साहित्य का ऐतिहासिक-साहित्य, सामाजिक एवं साहित्य-साहित्य अधिष्ठान-साहित्य का प्रमुख पद्य-साहित्य और इसके सांस्कृतिक-साहित्य 	09	

6.	<ul style="list-style-type: none"> • ऐतिहासिक काल की भूमिक-साहित्यिक विशेषताएँ और प्रणितियाँ • अद्वितीय एवं सम्बन्धीय साहित्य का समग्र पुरस्कार 	12	
कुल योग		75	

COURSE OUTCOMES - इस पाठ के अन्तर्गत से हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक अवधारणाएँ / विचारधाराएँ का हीरोन विवेका भारतीय साहित्य की पन्नाओं से हिन्दी साहित्य को निरूपण के रूप में साहित्य और साहित्य की सोन-सोन की प्रणितियाँ प्राप्त होंगी - इसका पाठ पढ़नेवाला साहित्य जगत्से से किस किस-किसी भारतीय साहित्य का प्रस्ताव हुआ उसका इस विचारधारा से आधुनिक रूप से ऐतिहासिक अवधारणाओं के माध्यम से इस होगा।

साहित्य पुरस्कार -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य उपेन्द्र दत्त, लाली इत्यादी सभा, कलकत्ता
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामकृष्ण प्रकाश, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का साहित्यिक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्व एड्युकेशन सोसायटी, पटना
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्बन्धीय साहित्य) : लोकप्रिय प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सायब खान, केन्द्रीय साहित्यिक काल, नई दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास काल : साहित्यिक-संस्कृत, विश्व एड्युकेशन सोसायटी, पटना
7. साहित्य की इतिहास पुस्तिका : साहित्यिक, लाली प्रकाश, नई दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य संवेदन का निरूपण : सायब खान

साहित्यिक

साहित्यिक

साहित्यिक

MJC-2 : आदिवालीन एव मध्यकालीन हिंदी कविता

COURSE OBJECTIVES

हिंदी कविता का बहुत बड़ा हिस्सा एक रूप में समृद्ध है। आदिवालीन कविता हिंदी में कविता का निर्माण-काल है। इसकी एक भाग के अनुसार कवि विद्वानों से, जिन्हें असाधारण लोकप्रियता मिली है। अधिकांश की हिंदी कविता के इतिहास में सर्वप्रथम कहा जाता है। इस काल की विभिन्न शक्तियों में बड़े कबीर, जगदी, कृष्ण, तुलसी जैसे महान कवि हुए हैं। इन कवियों के काल के असाधारण-असाधारण में पाठकों के सामाजिक को तो दिया मिलेगी ही, अपने देश और काल को साकारने में भी समर्थ रह मिलेगी। साथ ही ऐतिहासिक के विद्यो एवं समृद्ध जैसे वे कविता की कविता के असाधारण से हिंदी कविता के एक स्पष्ट किन्तु महत्वपूर्ण स्वरूप में परिचय देगा।

MJC-2 : आदिवालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता			
(Theory: 6 Credits)			
Unit	Topic to be covered	No. of Lectures	L-T-P 6-1-0
1	<ul style="list-style-type: none"> • विश्वप्रति (विश्वप्रति पद्याली, असाधारण : समृद्ध कविता) • वेद वेद तथा एक अक्षर(2) • जय जय कविता(3) • वैभव वैभव दुर्ग प्रीति वेद(4) • कविता का काल(23) • एक शक्ति केवल एक असाधारण(36) • कुंज पदा सं विद्यालय से (59) • लाल वैभव का-हिन्दू का ..(254) • कबीर (कबीर शक्ति, असाधारण : कविता का एक रूप) • देव वेद विद्यालय का(47) • असाधारण काल की(156) • असाधारण कविता से(402) 	14	
2	<ul style="list-style-type: none"> ➤ धार्मिक कृतियों का असाधारण (विद्यालय, असाधारण : असाधारण असाधारण) • असाधारण कविता 	14	

2

(Handwritten signature)

	<ul style="list-style-type: none"> • काली की कथा > कुरास (सोपान बाल-काली : सीता देव, पौखर) • काल की कथा बाल-काली.....(88) • काली की कथा बाल-काली की... (229) • काली की कथा बाल-काली की... (281) 		
3	<ul style="list-style-type: none"> > कुरास (सोपान बाल-काली : सीता देव, पौखर) • काल की कथा बाल-काली.....(88) • काल की कथा बाल-काली की... (229) • काल की कथा बाल-काली की... (281) • काल की कथा बाल-काली की... (176 और 177) • काल की कथा बाल-काली की... (252 से 269 और 303 से 308) 	16	
4	<ul style="list-style-type: none"> > कुरास (सोपान बाल-काली : सीता देव, पौखर) • काल की कथा बाल-काली.....(88) • काल की कथा बाल-काली की... (229) • काल की कथा बाल-काली की... (281) • काल की कथा बाल-काली की... (176 और 177) • काल की कथा बाल-काली की... (252 से 269 और 303 से 308) 	10	
5	<ul style="list-style-type: none"> > कुरास (सोपान बाल-काली : सीता देव, पौखर) • काल की कथा बाल-काली.....(88) • काल की कथा बाल-काली की... (229) • काल की कथा बाल-काली की... (281) • काल की कथा बाल-काली की... (176 और 177) • काल की कथा बाल-काली की... (252 से 269 और 303 से 308) 	08	
6.	<ul style="list-style-type: none"> > कुरास (सोपान बाल-काली : सीता देव, पौखर) • काल की कथा बाल-काली.....(88) • काल की कथा बाल-काली की... (229) • काल की कथा बाल-काली की... (281) • काल की कथा बाल-काली की... (176 और 177) • काल की कथा बाल-काली की... (252 से 269 और 303 से 308) 	13	

2/26

2/26

3/26

SEMESTER-III
MJC3 : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

Course Objectives

इस पाठ के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी हिन्दी साहित्यपरिचरित के आधुनिक काल की युष्कृति, उसकी विविध प्रकृतियों को जान सकेंगे। साथ ही आधुनिक काल से सम्बन्धित पाठ काव्य एवं गद्य विधाओं की महत्वपूर्ण उपलब्धियों, भारतीय स्वातंत्र्य आन्दोलन में हिन्दी साहित्य के अवदानों से अवगत होंगे।

MJC3 : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (Theory: 05 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L.T.P 5-1-0 Per Week
1	• भारतीय एवं विदेशी युग	06	
2	• छायावाद	04	
3	• इमजिवाद, उत्तर छायावाद, प्रथमकाल, नई कविता, साठवीं शताब्दी	10	
4	• समकालीन कविता (1940 से आज तक)	10	
5	• स्वातंत्र्य-पूर्व हिन्दी गद्य एवं उसकी विविध विधाओं का विकास	10	
6	• स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य एवं उसकी विविध विधाओं का विकास	10	
TOTAL		50	L-(5)+T(10)=60

Course Outcomes

इस पाठ के अध्ययन के उपरान्त प्राप्त जानकारी से जहाँ विद्यार्थियों की समझिता, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक धेतना का विकास होगा, वहीं वे विविध प्रतिक्रिया परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

सहायक पुस्तकें :-

1. भारतीय इतिहास और हिन्दी साहित्यपरिचरित की सम्मन्धत : राम दिवस शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मनेश पांडेय, विदुषा लिटरेरी, दिल्ली, 1991
3. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी : मधुसूदर राजवर्दी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1983
4. हिन्दी साहित्य और संवेदन का विकास : रामचरण चतुर्वेदी, लोक भारती, इलाहाबाद, 1980
5. कविता के नये प्रतिमान : रामचरण सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968

Handwritten signatures and dates at the bottom of the page, including names like 'Gurpreet Singh' and dates like '21-09-23'.

6. विष्णु के राग : देवी शंकर अग्रवाणी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
7. दलित साहित्य का सौंदर्य मान्य : जेम प्रकाश खालीकि, साधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
8. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेन्द्र लोके, ओरिएंटल ब्लोक स्वान, दिल्ली, 2009
9. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : मंदकिशोर नयन, राजकमल प्रकाशन
10. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : जल्मी सागर वर्ध्मा
11. इतिहास और अवलोकन : नामवर सिंह
12. छायावाद : नामवर सिंह
13. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
14. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र विशारी
15. आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आचार्य : रामचन्द्र विशारी
16. गद्य साहित्य : विकास और विन्यास : रामचन्द्र विशारी

21-01-2025
 21-01-23
 21-01-2025
 21-01-23
 21-01-23
 21-01-23
 21-01-23
 21-01-23

SEMESTER-III**MJC-4 : आधुनिक हिन्दी कविता : छायावाद तक****Course Objectives**

इस पाठ के अध्ययन से विद्यार्थी भारत-भूय युग से लेकर छायावाद तक की हिन्दी कविता के विकास का घातगत परिचय प्राप्त करने के साथ-साथ सत्पुत्रीय महत्वपूर्ण कवियों के छायागत अवदान से परिचय हो सकेगा। घातगत विश्लेषण के द्वारा विद्यार्थी कवियों की विभिन्न रीतियों से परिचित होने एवं अपने आलोचनात्मक चेतना का विकास भी संभव होगा।

MJC-4 : आधुनिक हिन्दी कविता : छायावाद तक (Theory: 04 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L.T.P 4-1-0 Per Week
1	• भारतभूय - भारत दुर्दशा • अयोध्या सिंह उपन्यास 'हृदय' - प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग, आरंभिक 11-20 छंद)	08	
2	• मैथिलीकरण युग - 'पंचवटी' खन्ड काव्य (आरंभिक 1-16 छंद) • रामनरेश त्रिपाठी - 'रचन' खन्ड काव्य (खाला सर्ग, आरंभिक 1-12 छंद)	08	
3	• जय शंकर प्रसाद - 'तरु' - 'बीवी' विभागीय जय शं. के कुछ दिन कितने सुन्दर थे, जय की सजल आलिया राजनी	06	
4	• सुप्रेकांत त्रिपाठी निराला - 'राम-विराग' (स-राम विजयत सर्ग) - 'बादल-राम' छटा नाम पर दे दे कौशादीनी दर दे, सजे ने अपनी स्वच्छाली की, सिंघिर की खर्ची	06	
5	• सुनिजानंदन पंत - 'हराकथ' - 'प्रथम उष्ण' गीत विभाजन, गीता विहार	06	
6	• न्यादेवी वर्मा - 'आधुनिक कवि (हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रकाश) - 'विरह का जलजाल जीवन, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर मरी दुख की बरती	06	
TOTAL		40	L-(40)+T(10)=50

21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23

SEMESTER - IV

MJC - 5: छायावादोत्तर हिन्दी कविता

COURSE OBJECTIVES

छायावाद के बाद हिन्दी कविता के विकास को समझने के लिए उस दौर के महत्वपूर्ण कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से अवगत होना जरूरी है। इस काल की कविता की प्रवृत्तियों एवं कालगत वैशिष्ट्य को समझने के पश्चात ही विद्यार्थियों की आलोचनात्मक क्षमता का विकास संभव होगा। कविता में हो रहे बदलाव को आभरना करने एवं अवगत होने के लिए इस पाठ की आवश्यकता होगी।

MJC - 5: छायावादोत्तर हिन्दी कविता (Theory: 05 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L-T-P 5-1-0 Per Week
1	कैदारनाथ अग्रवाल - मीठो! त बजाओ बंसी, यह जन मारे जही मरेगा, यदि आयेगा डॉक्टर, खेल का दृष्य, चंद्रगठना से लौटती बेर, बरांगी ठूवा	08	
2	जायबुल - चिल तो नहीं आती, बादल को घिरते देखा है; सुन्दरे पर, शासन की बंदूक; अकाल और उसके बाद; मैं तुम्हें अपना सुंघव दूँगा	08	
3	रामधारी सिंह 'दिनकर' - कुतलोत्र (षष्ठ सर्ग)	08	
4	माखनलाल चतुर्वेदी - इतना, कौड़ी और कोकिला, भास का लोहार (हिमकिरीटिनी) स. ही. वा. 'अज्ञेय' - कलगी बाजरे की; कलगी पूली; सोन-मछली, बंदी की डीप, सासाड़ी का मेवेस दान	10	
5	भवानीप्रसाद मिश्र - सतपुत्र के जंगल; गीत-करीश (दूसरा सप्तक) रघुवीर सहाय - पक्षि गीत; रामदास; हँसो हँसो जल्दी हँसो, नेता बना करे	10	
6	म.मा. 'दुर्लभोद्य' - मुझे कदम-कदम पर; मुझे पुकारती हुईं पुकार गिरिजा कुमार माथुर - आज है बेसर दंग लो दंग, बुद्ध (सारसप्तक)	06	
Total		50	50 (L) + 10 (T) = 60

(Handwritten signatures and dates)
21/07/23
21/07/23
21/07/23
21/07/23
21/07/23
21/07/23

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी छायावाद के बाद हिन्दी कविता में हो रहे बदलावों से अवगत होंगे। छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियों एवं काव्यगत वैशिष्ट्य को समझ सकेंगे। उनका कविता की समझ एवं आलोचनात्मक क्षमता में वृद्धि होगी। इस दौरान वे इस के कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतिप से भी परिचित होंगे।

सहायक पुस्तकें -

1. प्रतिनिधि कविताएँ : केदारनाथ अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. कुतुबेन : रामचारी सिंह दिनकर, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
4. काव्य-कुतुब : सं. गणेशानंद झा, गायत्री देवी, मोतीलाल बनारसी दास प्रकाशन, पटना
5. रत्नघटे का छंद : सं. अशोक वाजपेयी, वान्देवी प्रकाशन, बीकानेर
6. मन एक मैली कमीज है : सं. नंदकिशोर आचार्य, वान्देवी प्रकाशन, बीकानेर
7. प्रतिनिधि कविताएँ : रघुवीर सहाय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. बौंद का मुँह टेढ़ा है : ग. मा. मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
9. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : नंद किशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
10. कवि अज्ञेय : नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. कविता के नये प्रतिमात्र : रामचर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. नयी कविता और अद्वैतवाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. तार सप्तक : सं. अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
14. दूसरा सप्तक : सं. अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
15. तीसरा सप्तक : सं. अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
16. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : रामचर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

21/09/23

6.

21/9/23

21/9/23

21/9/23

21/9/23

21/9/23

21/9/23

21/9/23

17. हिन्दी साहित्य और संवेदन का विकास : समसंस्कृत्य चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीशंकर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
19. हिन्दी काव्य सजीला के प्रतिमान : महेश तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
20. साहित्यलोचन : सिद्धांत और अध्ययन - डॉ. सीताराम दीन भारती भवन प्रकाशन, पटना

21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23
 21/09/23

SEMESTER - IV

MJC - 6 : भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र

COURSE OBJECTIVES

साहित्य के अध्ययन हेतु काव्यशास्त्र की जानकारी आवश्यक है। काव्य के विभिन्न श्रेणियों की जानकारी के अभाव में साहित्य का अध्ययन अपूर्ण माना जाता है। काव्य के विभिन्न उपकरणों यथा - अलंकार, छंद आदि से परिचय कराना इस पाठ का मुख्य उद्देश्य है। इसके साथ ही, भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र के विचारों को समझना तथा काव्य संबंधी आलोचनात्मक चेतना का विकास करना ही इस अध्याय का प्रमुख ध्येय है।

MJC - 6 : भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र (Theory: 05Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L-T-P 5-1-0 Per Week
1	भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास: सामान्य परिचय, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य - प्रयोजन	08	
2	काव्य-श्रेण, शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष	08	
3	रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औपम्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय	08	
4	प्रमुख अलंकारों के लक्षण - उदाहरण - यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भातिमान, श्लेष, अलंकारिता, विरोधान्तास, अतिशयोक्ति, विभावना, भावदीकरण। प्रमुख छंदों के लक्षण-उदाहरण - दोहा, चौपाई, रोला, लीला, कवित्त, सवैया, छंदय, कुंडलिका, बट्टी, उल्लास	10	
5	पश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय प्लेटो, अरस्तु, लॉजाइमस की काव्य संबंधी मान्यताएँ एवं सिद्धांत	10	
6	वर्तुल्यार्थ, कौलरिज, ज्योथ एवं इलियट की काव्य संबंधी मान्यताएँ एवं सिद्धांत।	06	
	Total	50	59 (L) - 10 (T) - 00

(Handwritten signatures and dates)
21/4/23
21/4/23
21/4/23
21/4/23
21/4/23
21/4/23

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी काव्यशास्त्र की मौखिक अवधारणाओं से परिचय प्राप्त करेंगे। काव्य के विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे। साथ ही, भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विचारों को भली भांति समझ पायेंगे। काव्य के विभिन्न उपकरणों तथा - अलंकार एवं छंद से परिचित होंगे। अध्ययन के पश्चात् उनकी काव्य संबंधी आलोचनात्मक क्षमता विकसित होगी।

सहायक पुस्तकें -

1. काव्य के तत्व : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोपाभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
3. भारतीय आलोचना - शास्त्र : डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र कोश : डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
5. साहित्यालोचन : डॉ. स्वाम सुंदर दास, सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भारतीय काव्य चिंतन, डॉ. शोभा कान्त मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. तारकनाथ काली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य : चिंतन, डॉ. सभापति मिश्र, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : विर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अरस्तु का काव्यशास्त्र : अनुवादक : डॉ. जगेंद्र एवं महेंद्र चतुर्वेदी, हिंदी अनुसंधान परिषद्, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

21/04/2023

21/04/23
9.

21-7-23

21-3-23

Course outcomes

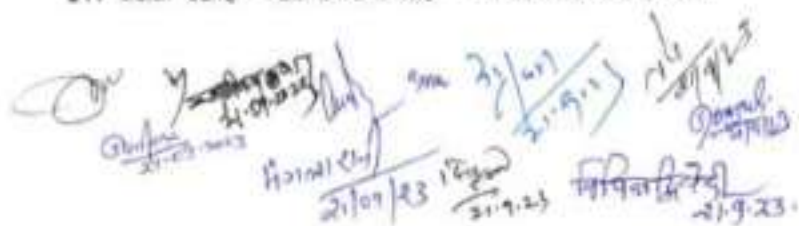
इस पाठ के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी साहित्यिक विधाओं के स्वरूप एवं इतिहास के साथ-साथ उनके उद्भव एवं विकास की अवधारणा को समझ पायेंगे। वे विभिन्न साहित्यिक विधाओं की विशिष्टता एवं महत्व के साथ ही विभिन्न विधाओं के मध्य मौलिक अंतर से अवगत होंगे।

सहायक पुस्तकें -

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र सुक्त, जागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ. जर्ज, वेपरवैक।
3. साहित्यालोचन : डॉ. श्यामसुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कविता क्या है : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. साहित्य विधाओं की अंतः प्रकृति : डॉ. हरिमोहन।
6. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. कविता के नये प्रतिमान : जगदर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. भारतीय एवं पश्चात्य काव्य सिद्धांत : गणपति चंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिंदी उपन्यास का विचार : मधुरेश, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी कहानी का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिंदी आलोचना का विचार : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. नयी कविता : मंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Handwritten signatures and dates at the bottom of the page, including dates like 21/9/23 and 21-9-23.

14. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास: इजारी प्रताप द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. हिंदी काव्य का इतिहास : रामचंद्ररुप चतुर्वेदी, राज कमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. हिंदी साहित्य कोश : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (प्रधान), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
18. हिंदी अवलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
19. हिंदी कहानी का विकास : डॉ. गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. साहित्यालोचना: सिद्धांत और अध्ययन - डॉ. संताराम दीन - भारती भवन, पटना
21. बोलती रेखाएँ - डॉ. उषारानी सिंह - ज्ञानलिका प्रकाशन, पटना


 A collection of handwritten signatures and dates in blue ink. The signatures are written in Devanagari script. Some of the visible text includes:

- 21/09/23
- 21-9-23
- 21-9-23
- 21-9-23
- 21-9-23
- 21-9-23

Course Outcome -

इस पाठ के अध्ययन से भाषा चिन्तन की भारतीय परम्परा, भारतीय भाषा परिवार एवं भाषाशास्त्र में भाषा के विकास को जान सकेंगे। इसके अलावा आधुनिक हिन्दी आंदोलन, हिन्दी की सांस्कृतिक स्थिति, देवनागरी लिपि के साथ-साथ विद्यार्थी अपनी भाषा और बोली के विकासवादी स्वरूप को समझ सकेंगे।

सहायक पुस्तकें :

1. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
2. हिंदी साहित्य का अर्थिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पुरानी हिंदी : बंधार शर्मा मुल्सी
4. भारतीय ज्ञान भाषा और हिंदी : सुनीती कुमार बटवर्ती
5. हिंदी उद्भव विकास एवं रूप : हरदेव बहारी
6. हिंदी भाषा : डॉ. भोलानाथ तिवारी
7. राजस्थानी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ. बालदेव लाल शर्मा
8. हिंदी भाषा का इतिहास : बीरेंद्र वर्मा
9. राजभाषा हिंदी : डॉ. भोलानाथ तिवारी
10. ब्रिजका भाषा और साहित्य : डॉ. त्रिपालम तिवारी
11. ब्रिजका भाषा के इतिहास शब्दों का आलोचनात्मक अध्ययन : डॉ. योगेन्द्र प्रसाद सिंह
12. ब्रिजका का स्वरूप : डॉ. योगेन्द्र प्रसाद सिंह

Dr. J. K. Singh
21/09/23
Gaurav
21/09/23
विश्वनाथ तिवारी
21/09/23
161
21/09/23
21/09/23
21/09/23

SEMESTER – V

MJC 9 : हिंदी उपन्यास

Course Objective –

उपन्यास की अवधारणा एवं हिन्दी उपन्यास के विकास-क्रम से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। प्रेमचन्द, जेनेन्द्र, पद्मनाभ, वसु भंडारी एवं कर्णीश्वरनाथ रेणु को उपन्यास-साहित्य की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। मुबिन, त्यागपत्र, दिवा, महाभोज, जुलूस उपन्यास में निहित भाव एवं काल पक्ष को समझेंगे एवं इनमें निहित विचारों पर विचार कर सकेंगे।

MJC 9 : हिंदी उपन्यास			
(Theory: 06 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L.T.P
1	उपन्यास की अवधारणा और हिन्दी उपन्यासों का विकास-क्रम	04	
2	रामन – प्रेमचन्द	12	
3	त्यागपत्र – जेनेन्द्र	08	
4	दिवा-पद्मनाभ	12	
5	महाभोज-वसु भंडारी	12	
6	जुलूस-कर्णीश्वरनाथ रेणु	12	
	कुल	60	L-60 + T-15 = 75

(Handwritten signatures and dates)
21/09/23
21/09/23
21/09/23
21/09/23
21/09/23
21/09/23
21/09/23
21/09/23

Course Outcome -

भारतीय कथा-साहित्य की परम्परा में उपन्यास की अवधारणा और विकास-क्रम की जानकारी को समृद्ध करना इस पाठ का प्रमुख अंगीष्ट है। हिन्दी उपन्यास में प्रेमचन्द मील के पत्थर हैं। ऐसी स्थिति में गहन उपन्यास की अवधारणा से अभूषणप्रियता के मोड़ का दुष्परिणाम और सेवा भावना के महत्त्व से परिचित होने। साथ ही त्यागपत्र उपन्यास के सञ्चय से मनोवैज्ञानिक चेतना तथा दिव्या के महत्त्व से बीड़-जीवन दर्शन के ज्ञान से समृद्ध हो सकेंगे। महाभोज उपन्यास को माध्यम से राजनीति के दायरे में एवं जुनून में विस्थापन तथा विभाजन की बीड़ा और जसदी की समस्या का उद्घाटन इस पाठ की अवधारणा द्वारा सम्भव होगा।

सहायक पुस्तकें :

1. शबन, प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. त्यागपत्र, जैनेंद्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. दिव्या, यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. महाभोज, मन्मू भंडारी, वाघाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. जुनून, कर्णवीरवर नाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रेमचंद और उनका युग, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. उपन्यास स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र चन्द्र, कानी प्रकाशन, दिल्ली
8. जैनेंद्र के उपन्यास, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. उपन्यास की संरचना, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी उपन्यास नया पाठ, हेमंत कुमारी, कानी प्रकाशन, दिल्ली
11. प्रेमचंद और भारतीय समाज, स. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. उपन्यास की रचना प्रक्रिया, परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. हिंदी उपन्यास का विकास, गुरुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. जैनेंद्र कुमार : कितान और सृजन, मधुसिंह कोहली, पराग प्रकाशन, दिल्ली
15. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विश्लेषण, नरदुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. जनतावादा अस्तित्व : जैनेंद्र की जीवनी : ज्योतिष जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
17. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

Handwritten signatures and dates:

- 21-09-23
- 21-09-23
- 21-09-23
- 21-09-23
- 21-09-23
- 21-09-23
- 21-09-23
- 21-09-23

सहायक पुस्तकें :

1. कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह
2. प्रतिनिधि कहानियाँ : सं. डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, सीतीताल बनारसीदास, पटना
3. दूजीसी नेट जेकारणक, हिंदी पर्यायक्रम में शामिल सपूर्ण कहानियाँ : मोहन सिंह, जेएनयू दिल्ली
4. एक दुनिया समानांतर : सम्पादक- राजेश यादव
5. मानसरोवर भाग-1 : - प्रेमचंद
6. भुवनेश्वर समग्र, सम्पादक दुधगाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. मोहन राशेक की सम्पूर्ण कहानियाँ, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

[Handwritten signatures and dates in Hindi]
 21/9/23
 21/9/23
 21/9/23
 21/9/23
 21/9/23

SEMESTER - VI

MJC - 11: हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

COURSE OBJECTIVES

इस पाठ का मुख्य उद्देश्य नाटक एवं रंगमंच के स्वरूप को समझाने उसके विभिन्न रूपों को साथ-साथ विहार की विशेष नाट्य शैली से विद्यार्थियों का परिचय कराना है। साथ ही विभिन्न नाटककारों एवं नाटकों के विश्लेषण तथा आलोचना करने की क्षमता का विकास करना भी मुख्य ध्येय है।

MJC - 11: हिन्दी नाटक एवं रंगमंच (Theory: 05 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L-T-P 5-1-0 Per Week
1	नाटक एवं रंगमंच : अंतर्संघ और अंतर्द्वंद, हिंदी रंगमंच के विकास की रूपरेखा, हिंदी नाटक के विभिन्न रूपों का परिचय, विहार की विशेष नाट्य-शैलियाँ और रंगमंच	08	
2	अंधेरी जगरी : भारतेन्दु हरिश्चंद्र	08	
3	स्फंदनुषत : जयशंकर प्रसाद	08	
4	आषाढ़ का एक दिन : मोहन रासैक	10	
5	कबीर का बड़ा बाजार में : भीष्म राहणी	10	
6	लोणाक : जगदीश चंद्र माथुर	06	
	Total	50	50 (L) + 10 (T) = 60

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी नाटक एवं रंगमंच के स्वरूप, प्रकार एवं विहार के विशेष नाट्य शैलियों से परिचित होंगे। साथ ही नाटकों एवं नाटककारों को पढ़ने हुए अपनी विश्लेषण एवं आलोचनात्मक क्षमता को विकसित करेंगे।

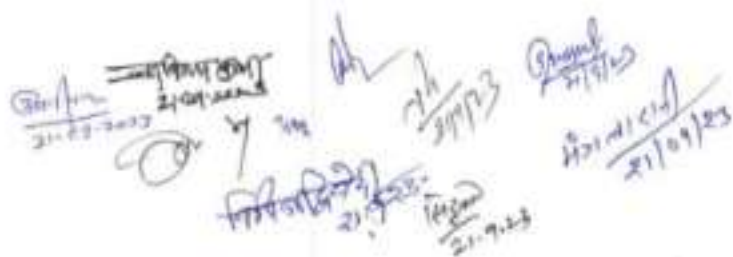
Handwritten signatures and dates at the bottom of the page, including:
- 21.09.2023
- 21.09.2023
- 21.09.2023
- 21.09.2023
- 21.09.2023
- 21.09.2023

सहायक पुस्तकें -

1. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
2. नाटक और नाट्य शैलियाँ, दुर्गा दीक्षित, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. रंगमंच कला और दृष्टि, डॉ. गोविंद चालुक्य, लक्ष्मिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आज के हिंदी नाटक परिवेश और कई दृश्य, जयदेव तनोजा, लक्ष्मिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी नाटक का आगम संघर्ष, गिरिश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. रंगदर्शन, लेखीचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिंदी नाट्य परिचय, सं. डॉ. धीरेन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
8. भारतीय नाट्य सिद्धांत उद्भव और विकास, डॉ. रामजी पांडे, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. रंग वैचारिकी : नए सर्वभौं ने, संपादक अज्ञा, अलम्व्य प्रकाश, नई दिल्ली
10. अंधेर जगती, संपादक परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. अंधेर जगती : संवेदना और शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन
12. स्कंदानुपम : संवेदना और शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन
13. आपाड़ का एक दिन : विश्लेषण-विवेचन, संपादक सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
14. धर्मवीर भारती और उनका अंधाधुम, डॉ. लक्ष्मण दत्त जीतन, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

21-09-23
 21-9-23
 21-9-23
 21-9-23
 21-9-23

15. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मुद्रण (प्रसाद के नाटक), सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन
16. आधुनिक हिंदी नाटक का अद्भुत मोहन राकेश, डॉ. गोविंद वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली


 A collection of handwritten signatures and dates in blue ink. The signatures are written in Hindi. One signature is dated 21-07-23. Another signature is dated 21/09/23. There are several other illegible signatures and dates scattered around.

SEMESTER - VI

MJC-12: हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विचारों

Course Objectives

इस पाठ का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी निबंध के विभिन्न रूपों, वैशिष्ट्य, प्रमुख निबंध एवं निबंधकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना है। साथ ही निबंध को पाठ्यक्रम विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थियों की आलोचना क्षमता को विकसित करना भी मुख्य ध्येय है।

MJC-12: हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विचारों (Theory: 05 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L-T-P 5-1-0 Per Week
1	कण्ठज-धर्म - बंधुधर शर्मा मुलेरी उल्लास - रामचंद्र शुक्ल	08	
2	देवदारु - हजारी प्रसाद द्विवेदी महाकवि जवहरकर प्रसाद- शिवपूजन सहाय	10	
3	रजिया, रामपुत्रा देवीपुरी हिंदी कविता और छंद - रामधारी सिंह दिलकर	12	
4	"राजा" (अनील के बलविष से) - अष्टादेवी वर्मा किष्कर देल पर एक ऐतिहासिक दृष्टि (किष्कर देल में से) - राहुल संकल्पनामन	10	
5	मेरी माँ के मुझे प्रेमचंद का भक्त बनाया - मुक्तिबोध "बकलम खुद" का "जप-शप" पाठ - डॉ. नामवर सिंह	10	
	Total	50	50 (L) + 10(T) = 60

Course outcomes

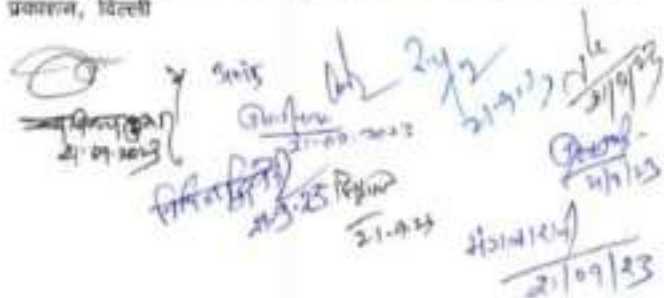
इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी हिंदी निबंध के विभिन्न रूपों एवं वैशिष्ट्य से अवगत होंगे। साथ ही, हिंदी निबंधकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होने हुए अपनी आलोचनात्मक क्षमता को विकसित कर सकेंगे।

(Handwritten signatures and dates)

21/09/23
21/09/23
21/09/23
21/09/23
21/09/23

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी गद्य : विस्मय और विकास, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य, विन्ध्यवास प्रसाद तिवारी
3. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी
4. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य, हल्दयाल
5. महादेवी का गद्य साहित्य, आठनालाल शर्मा
6. आधुनिक हिंदी-साहित्य, लक्ष्मीशामर वाष्पेय
7. हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, विजयेंद्र रत्नालक
8. चंद्रशर शर्मा मुलेरी: व्यक्तित्व और कृतित्व, पीयूष मुलेरी
9. प्राथमिक रचनाएँ : नागवर सिंह (सं. भारत वाद्यावर), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली



 21/09/23
 21-9-23
 21-9-23
 21-9-23
 21-9-23
 21-9-23

SEMESTER - VII

MJC-13 : हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

Course Objectives

इस पाठ का मुख्य उद्देश्य पत्रकारिता के विकास में हिन्दी के प्रमुख साहित्यकारों के योगदान तथा हिन्दी पत्रकारिता का हिन्दी साहित्य के विकास में योगदान से विद्यार्थियों को परिचित करना है। साथ ही विभिन्न कालों में हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के विकास एवं स्वरूप से परिचय कराते हुए कुछ महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाओं से अवगत कराना भी मुख्य लक्ष्य है।

MJC-13 : हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता (Theory: 05 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L-T-P 5-1-0 Per Week
1	साहित्यिक पत्रकारिता : अर्थ, अवधारणा, और महत्व. साहित्यिक पत्रकारिता का वैशिष्ट्य.	08	
2	भारतेंदु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ	08	
3	प्रेमचंद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ	08	
4	समाजवादी साहित्य पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका	10	
5	हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्र पत्रिकाएँ : (क) कवि वचन सुधा, हिन्दी प्रदीप, सरस्वती, प्रताप, चर्मवीर, मतवाला	10	
6	हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्र पत्रिकाएँ : (ख) विशाल भारत, कल्पना, हंस, पहल, आलोचना।	06	
	Total	50	50 (L) + 10 (T) = 60

Handwritten signatures and dates at the bottom of the page, including names like 'Sanku', '21-9-23', '21-5-23', and '21-9-23'.

SEMESTER - VIII**MJC-16 : लोक साहित्य****COURSE OBJECTIVES**

इस पाठ का मुख्य उद्देश्य भारतीय समाज में लोक के स्वरूप एवं महत्त्व तथा लोक की संस्कृति और उसके विभिन्न रूपों से विद्यार्थी को अवगत कराना है। साथ ही, लोक भाषा के महत्त्व एवं लोक और शिष्ट साहित्य के अन्तर् एवं अंतर्संबंध को रेखांकित करना भी मुख्य लक्ष्य है।

MJC - 16 : लोक साहित्य (Theory: 04 Credits)			
Unit	Topics to be covered	No. of Lectures	L-T-P 4-1-0 Per Week
1	लोक और लोकवादा, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवादा और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतर्संबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ	10	
2	भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, बरगगीत, ऋतुगीत, जतिगीत	06	
3	लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, किर्तिलियाँ, खाना, यक्षगान, विदेशिया, भोंड, लज्जारा, नीलंजी। हिंदी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिंदी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव	10	
4	लोककथा : व्रतकथा, परिकथा, नाग-कथा, कथासृष्टियाँ और अन्यविश्वारा	05	
5	लोकभाषा : लोक सुभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ	05	
6.	लोकनृत्य एवं लोकसंगीत	04	
	Total	40	40 (L) + 08 (T) =

24/9/23
21/9/23
29/9/23
30/9/23
21/9/23
21/9/23
21/9/23

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी समाज में लोक के स्वरूप और उसके महत्व तथा लोक की संस्कृति और उसके विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। साथ ही, लोक भाषा के महत्व, लोक साहित्य को समझ सकेंगे।

सहायक पुस्तकें:

1. लोक : पीयूष दहिया (सं.)
2. लोक का आलोक : पीयूष दहिया (सं.)
3. लोक साहित्य की भूमिका : दीरेन्द्र वर्मा
4. लोक साहित्य : सत्येन्द्र
5. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार
6. पारंपरिक लोक-नाट्य : जगदीश चण्ड नाथुर
7. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : नबोहर शर्मा
- 8- Tradition of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan

2.4/23
21.9.23

21.09.2023

21.09.2023

21/09/23

21.9.23

21/9/23

21.9.23

To

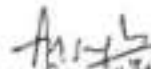
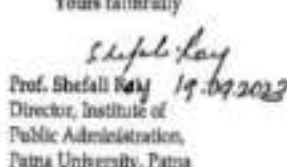
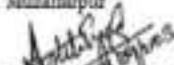

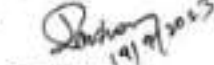
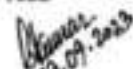
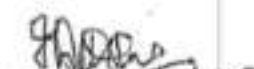
The Principal Secretary to Governor
Raj Bhawan, PatnaSubject: Regarding submission of proposed syllabus of Research Methodology
Social Sciences and Humanities undergraduate level.

Ref:BSU (UGC)-02/2023 -1473/GS(T), Dated 18.09.2023.

Sir,

In compliance to your letter no. BSU (UGC)-02/2023 -1473/GS(T), Dated 18.09.2023,
we are submitting the syllabus of second semester MJC - 145 credit and 100 marks.

Yours faithfully

Prof. Anil
Kumar Ojha
Head, Dept. Of
Political Science,
B.R.A. Bihar
University,
MuzaffarpurProf. Arun Kumar
Singh, Department
of Psychology,
Patna UniversityProf. Ram Privesh
Yadav
Dept. Of Geography
BRA Bihar
University,
Muzaffarpur
Prof. Shefali Kay 19.09.2023
Director, Institute of
Public Administration,
Patna University, PatnaDr. Aditya Kumar
Asst. Professor of
Political Science,
Patna University,
PatnaProf. B. K. Lal
Professor of
Economics, Patna
University, PatnaProf. Varun Kumar
Principal, Patna
College, PatnaProf. Rashmi
Akhouri, Professor of
Economics PPU, PatnaProf. Dipak
Kumar
Professor of
Sociology,
Magadh
University, Bodhi
GayaProf. Jayadeva
Mishra
Former HOD,
A.I.H. and
Archaeology, Patna
University

Enclosed as above.

Semester VII

MJC 14- Research Methodology (Social Sciences & Humanities)

Course credit- 05, Full marks- 100

Course Objectives:

CO1: The course intends to familiarize the students of the fundamentals and process of research.

CO2: to acquaint the students with research aptitude in knowledge seeking.

CO3: to enable students to scientifically assess the reliability and validity of facts.

CO4: To empower students to conduct a factual estimate of socially relevant issues in a scientific manner.

Course Outcomes

On completion of the Course, the students can undertake independent research with following Outcome:

LOC 1: Students will gain skills of scientific analysis.

LOC 2: Students will gain contemporary and interdisciplinary knowledge.

LOC 3: Students will have global understanding of rannons of Research.

Arora
19.09.2023

N/A
19/09/2023

Sharma
19.09.2023

Sharma
19.09.23

Singh
19.09.2023

Arora
19/09/2023

Arora
19/09/2023

Arora
19/09/2023

Arora
19.09.23

Arora
19/09/2023

Unit	Topics to be covered	No. of lectures
I	Research- Meaning, Purpose, Significance, Types, Stages of Research, Review of Literature, Ethical Issues in Research, Plagiarism.	08
II	Research Design- Meaning and types, Identification of Research Problems and Types of variables. Hypothesis- Nature, Types, Sources, Importance, Characteristics of a good hypothesis.	10
III	Method and Tools of Data Collection Sources of Data- Primary and Secondary, Comparative method, Observation, Interview, Quantitative, and Schedule Sampling Method- Concept, Types, Purpose, and Rationale	12
IV	Analysis and Processing of Data, Classification, and Tabulation of Data Measures of Central Tendency and Variability, Graphic representation Use of Internet and Computer technologies in Research- MS Word, MS Excel, Power point Presentation, SPSS	10
V	Report Writing and Thesis writing- Objective, Content, Layout, Research proposal/ Synopsis. Referencing- Endnote, Footnote, In-text citation, Index, Diacritical work, Bibliography (MLA and APA format), Webiography	10
	Tutorial	10
	Total	60

Suggested readings

1. Ashraf, R.L., (1953), "Design of social research" The University of Chicago Press, Chicago.
2. Goode, W. and Hatt, P.K., (1952), "Methods in Social Research" MC Graw-Hill.
3. Sharma, V.P. (2013), "Research Methodology" Parachute/Pushkinan, Jaipur.
4. Singh, A.K., "Test Measurements and Research Methods In Behavioural Sciences" Bharati Bhawan Publication.
5. विश्व, जयदेव : ऐतिहासिक अनुसन्धान, कक्षा प्रकाश जयपुराज शोध संस्थान, पटना।
6. आर्जुन, राम: सामाजिक अनुसन्धान, कक्षा प्रकाश, जयपुर।
7. राज सुनील कुमार सिंह - सामाजिक शोध की पद्धति।
8. सावित्री सिन्हा: अनुसन्धान का स्वकार, मेधाजल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
9. शिवम मोहन शर्मा: शोध पद्धति, मेधाजल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
10. सावित्री सिन्हा: अनुसन्धान की पद्धति, विजयेंद्र प्रकाश, हिंदी अनुवाद परिषद।

Prakash
19.07.2023

Prakash
19.07.2023

Prakash
19.07.2023

nile
19/07/2023

Prakash
19.07.2023

Prakash
19/07/23

Prakash
19/07/23

Prakash
19/07/2023
19.07.2023

Semester VII

MJC 14- Research Methodology (Social Sciences & Humanities)

Course credit- 05, Full marks- 100

Course Objectives:

CO1: The course intends to familiarize the students of the fundamentals and process of research.

CO2: to acquaint the students with research aptitude in knowledge seeking.

CO3: to enable students to scientifically assess the reliability and validity of facts.

CO4: To empower students to conduct a factual estimate of socially relevant issues in a scientific manner.

Course Outcomes

On completion of the Course, the students can undertake independent research with following Outcomes:

LOC 1: Students will gain skills of scientific analysis.

LOC 2: Students will gain contemporary and interdisciplinary knowledge.

LOC 3: Students will have global understanding of various of Research.

Arora
18.09.2023

Arora
19/09/2023

Arora
19/09/2023

Arora
19/09/2023

Sharma
19.09.2023

Arora
19.09.23

Arora
19/09/23

Arora
19.09.2023

Arora
19/9/2023

Unit	Topics to be covered	No. of lectures
I	Research- Meaning, Purpose, Significance, Types, Stages of Research, Review of Literature, Ethical issues in Research, Plagiarism.	08
II	Research Design- Meaning and types, Identification of Research Problems and Types of variables, Hypothesis- Nature, Types, Sources, Importance, Characteristics of a good hypothesis.	10
III	Method and Tools of Data Collection Sources of Data- Primary and Secondary, Comparative method, Observation, Interview, Questionnaire, and Schedule Sampling Method- Concept, Types, Purpose, and Rationale	12
IV	Analysis and Processing of Data, Classification, and Tabulation of Data Measures of Central Tendency and Variability, Graphical representation Use of Internet and Computer technologies in Research- MS Word, MS Excel, Power point Presentation, SPSS	10
V	Report Writing and Thesis writing- Objective, Content, Layout, Research proposal/ Synopsis. Referencing- Endnote, Footnote, In-text citation, Index, Disciplinary work, Bibliography (MLA and APA formats), Webliography	10
Tutorial		10
Total		60

Suggested readings

1. Ashoff, R.L., (1955), "Design of social research" The University of Chicago Press, Chicago.
2. Goode, W. and Han, P.K., (1957), "Methods in Social Research" MC Graw-Hill.
3. Sharma, V.P. (2013), "Research Methodology" PsychologyPrakashan, Jaipur.
4. Singh, A.K., "Test Measurements and Research Methods in Behavioral Sciences" Bharati Bhawan Publication.
5. जिन्हा , जयदेव : ऐतिहासिक अनुसन्धान, कर्णी प्रसाद नारायणन शोध संस्थान , पटना।
6. अहूजा, राम: सामाजिक अनुसन्धान, रायल प्रकाशन, जयपुर।
7. एचए सुब्रह्मण्यम सिन्हा - सामाजिक शोध की पद्धति।
8. सावित्री सिन्हा: अनुसन्धान का स्वल्प, मेधाजल परिशिष्टिण हाउस , दिल्ली।
9. विनय मोहन कर्णी: शोध परिधि , मेधाजल परिशिष्टिण हाउस , दिल्ली।
10. सावित्री सिन्हा: अनुसन्धान की पद्धति , दिव्यदत्त स्नातक, हिंदी अनुवाद श्रीरघु।

Accepted
18.09.2023

19/09/2023

19/09/2023

Sanjay
19/09/2023

Shubh
19.09.2023

19/09/2023

19/09/2023

19.09.2023

19/09/2023